प्रेस विज्ञप्ति

कुरुक्षेत्र–22, जुलाई, 2017

भाजपा ने किसान से फरेब और विश्वासघात किया – सुरजेवाला

''फसल के पूरे दाम–कर्जमाफी का इंतजाम'' करेगी कांग्रेस सरकार

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मीडिया प्रभारी व वरिष्ठ कांग्रेस नेता, रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकारों ने किसान–मजदूर से फरेब व विश्वासघात किया है। भाजपा ने वायदों का झूठ बोया, फसलें काटीं और अन्नदाता को आत्महत्या की ड्योढ़ी पर लाकर खड़ा कर दिया। जिसका नतीजा यह है कि हर दिन 35 किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं और साल भर में 12,000 से अधिक कर्जदार किसान मजबूरन फांसी के फंदे पर झूल रहे हैं।

श्री सुरजेवाला शनिवार को **'हक मांगो अभियान'** के तहत हरियाणा कृषक समाज व हरियाणा किसान खेत मजदूर कांग्रेस के बैनर तले कुरुक्षेत्र की विशाल नई अनाजमंडी में आयोजित **'किसान–मजदूर बचाओ धरने'** पर उपस्थित हजारों लोगों को संबोधित कर रहे थे। धरने में लोगों का उत्साह देखते ही बनता था और हजारों किसानों की भागीदारी के चलते धरने ने एक विशाल रैली का रूप ले लिया।

'सुरजेवाला आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं' के नारों के बीच श्री सुरजेवाला ने घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर किसानों को फसलों के पूरे दाम दिए जाएंगे और उन्हें कर्ज के चक्रव्यूह से बाहर निकालने के लिए कर्जामाफी की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारों ने किसान की फसल की 'लागत + 50 प्रतिशत मुनाफा' देने का वायदा कर सत्ता हथियाई और सिंहासन पर बैठते ही सबसे पहले किसान–मजदूर के हकों पर कुठाराघात किया। उन्होंने कहा कि 'धान का कटोरा' कहे जाने वाले हरियाणा में बासमति, 1121 व 1509 किस्म का धान भाजपाई शोषण के चलते औने–पौने दामों पर पिटा। जब करनाल–कुरुक्षेत्र–शाहबाद–अंबाला का किसान आलू व टमाटर की फसलें 2 रु. किलो से भी कम की बिकवाली के विरोध में सड़कों पर उतरा तो खट्टर सरकार ने उन पर लाठियां भांजी और मंदसौर, मध्यप्रदेश में किसान को मिलीं भाजपाई पुलिस की गोलियां। यही हाल पापुलर व सफेदे की लकड़ी का हुआ, जिसके दाम 1200–1400 रु. प्रति क्विंटल से गिरकर, 600–800 रु. प्रति क्विंटल तक आ गए और किसान को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि खाद की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में हुई कमी तक का लाभ भी किसानों को नहीं मिला। तथ्यों का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि 2014 के मुकाबले डीएपी, पोटाश और यूरिया की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आ चुकी है और इस लिहाज से यूरिया, डीएपी और पोटाश की कीमतों का बाजार भाव आधा हो जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की शह

पर कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं और किसान लुट रहा है। यही नहीं, पहली बार खाद पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया गया। खेती पर टैक्सों का बोझ डालते हुए कीटनाशक दवाईयों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया गया, ट्रैक्टर व खेती के सभी उपकरणों पर 12 प्रतिशत तथा ट्रैक्टर के टायरों व इंजन पर 28 प्रतिशत कर लगा दिया गया है। एक तरफ किसान की सब्जी और फलों को कोल्ड स्टोरेज में रखने की बात मुख्यमंत्री खट्टर करते हैं, तो दूसरी तरफ कोल्ड स्टोरेज पर 18 प्रतिशत टैक्स लगा देते हैं।

भारी भीड़ से उत्साहित श्री सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा झूठी माला किसान के नाम की जपती है और भोग अपने अति अमीर दोस्तों को चढ़ाती है। यही कारण है कि भाजपा ने गेहूं आयात पर आयात शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 0 प्रतिशत कर दिया और अनाज के दलालों से 70 लाख टन गेहूं का आयात 2016–17 में उस समय किया जब किसान की फसल बाजार में आने वाली थी। इसीलिए रिकॉर्ड कृषि उत्पादन के बावजूद देश के खाद्यान्न आयात में पिछले 3 साल में 66 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि 2014–15 में 134 करोड़ रु. की लागत से गेंहू, जौ और चावल का आयात हुआ था, जो 2016–17 में बढ़कर 9009 करोड़ रु. हो गया है।

किसानों के लिए कर्जामाफी की पुरजोर मांग करते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि किसान, खेत मजदूर और कृषि आधारित काम धंधों में लगे अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग व छोटे दुकानदारों को अंतरिम सहायता देने के लिए कर्जामाफी की जरूरत है। यदि केंद्र की भाजपा सरकार चंद बड़े उद्योगपतियों का 1,43,000 करोड़ रु. माफ कर सकती है, तो उसे इन जरूरतमंद वर्गों की कर्जामाफी से इंकार करने का कोई हक नहीं है। उन्होंने कहा कि आर्थिक परेशानियों के बावजूद पंजाब राज्य अपने 22 लाख किसानों को कर्जा राहत दे सकता है। तो हरियाणा की खट्टर सरकार को भी यह राहत देनी चाहिए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की कमियों का हवाला देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा गया कि यह फसल बीमा योजना सरकार की चहेती 10 से अधिक चुनिंदा और निजी इंश्योरेंस कंपनियों को लाभ पहुंचाने की कोशिश है। रबी 2016 का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों ने बीमा प्रीमियम की राशि के रूप में 15891 करोड़ रु. वसूले, जबकि किसान को मुआवजा केवल 6000 करोड़ रु. दिया गया। इस प्रकार, एक फसल में ही 10,000 करोड़ का मुनाफा कमा लिया गया और पूरे साल में 20,000 करोड़ रु.। यही भाजपा की असलियत है।

प्रदेश में बिजली कमी पर भी चिंता जताते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार इसकी जिम्मेदार है। जनता एक ओर बिजली की कमी झेल रही है, वहीं बिजली की दरें 50 पैसे प्रति यूनिट तक महंगी कर दी गई हैं। इससे पहले भी सरकार ने नए घरेलू बिजली कनेक्शन के लिए चोर दरवाजे से सिक्योरिटी राशि व सर्विस कनेक्शन के चार्जेस में 5 मदों में भारी बढ़ोत्तरी कर दी। नया घरेलू बिजली कनेक्शन 725 रु. महंगा कर दिया था। श्री सुरजेवाला ने कहा कि बिजली चोरी के नाम पर छापेमारी दस्ते साधारण जनमानस को अपराधी बना अपमानित कर रहे हैं व लाखों का जुर्माना जबरन लगा रहे हैं। दूसरी तरफ प्रदेश में अघोषित बिजली कट हैं तथा बिजली का भारी संकट

है। कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए बिजली कारखाने बंद कर दिए गए हैं तथा सरकार बाहर से बिजली खरीद रही है। जनता को हर तरह से चक्की के पाटों में पीसा जा रहा है।

धरने को पूर्व मंत्री बचन सिंह आर्य, पूर्व विधायक रमेश गुप्ता, पूर्व विधायक श्री अनिल धंतोड़ी, पूर्व विधायक फूल सिंह खेड़ी, पूर्व विधायक श्री पवन दीवान, पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा, प्रदेश कांग्रेस महासचिव, श्री वीरेंद्र राठौर, श्री संजय छोकर, श्री सुरेश यूनिसपुर व श्री नाहर सिंह संधू व रमेश चौधरी, श्री सतीश सांगवान व श्री सतबीर भाणा, हरियाणा किसान खेत मजदूर किसान कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेंद्र फोगाट, हरियाणा कृषक समाज के अध्यक्ष ईश्वर दनौदा, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सुमित्रा चौहान, रंजीता मेहता, रणधीर राणा, अमन चीमा, वीरेंद्र जागलान, सतीश सांगवान, बलविंदर संधाय, सुरेश रोड़, रण सिंह देशवाल, नेमपाल रिमपी,नछतर सिंह, हरजोत सिद्धु, संजीव सैनी, पार्थ तंवर, लखजीत सिंह, सतबीर सिंह, दर्शन खनौदा, हरमनदीप विरक, जसवीर सिंह, नरेश शर्मा, रामपाल चहल, नरेश बाल्मिकी, परवेश राणा, सुमित चौधरी, प्रवेश राणा, रेखा बालमिकी, रेखा कश्यप ने भी संबोधित किया।